

[This question paper contains 2 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 8152

GC

Your Roll No.....

Unique Paper Code : 62136949

Name of the Paper : Basic Elements of Āyurveda

Name of the Course : B.A. (PROG.) Sanskrit : Skill Enhancement Course

Semester : III

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Every question contains the same marks. Answer any **five** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. सभी प्रश्न समान अंक के हैं। किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. चरकपूर्व आयुर्वेद की ऐतिहासिक परम्परा पर निबन्ध लिखिए। (15)

Write an essay on the history of pre-Charaka traditions of Āyurveda.

2. आयुर्वेद के प्रमुख आचार्यों का उल्लेख करते हुए उनके योगदान को स्पष्ट कीजिए। (15)

Express the contribution of prominent acharyas of Āyurveda.

3. आयुर्वेद की पुनर्वसु परम्परा का ऐतिहासिक विवेचन कीजिए। (15)

P.T.O.

Write the history of Punarvasu traditions in Aayurveda.

4. हेमन्त एवं वसन्त ऋतु के अनुसार पथ्य-अपथ्य पर विचार कीजिए । (15)

Discuss the wholesome & unwholesome diet (पथ्य-अपथ्य) in winter and in spring seasons.

5. आदानकाल में रुक्षता, रस और दुर्बलता के कारणों का विवेचन कीजिए । (15)

Discuss the causes of dryness, fluid (rasa) and weakness in Aadaanakala.

6. ग्रीष्म एवं शरद् ऋतु में पथ्य-अपथ्य भोजन का विवेचन कीजिए । (15)

Discuss healthy & unhealthy food in summers & in autumn seasons.

7. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए :- (5×3=15)

Write notes on any three of the following.

- | | |
|----------------------|-------------------------|
| (i) वसन्त ऋतुचर्या | (iv) आहार-विहार |
| (ii) हेमन्त ऋतुचर्या | (v) वर्षा ऋतु में अपथ्य |
| (iii) शिशिर ऋतुचर्या | |

8. किन्हीं तीन पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए :- (15)

Discuss on any **three** of the following :

सुश्रुत संहिता, चरक संहिता, भावप्रकाश, माधवनिदान, अष्टाङ्गहृदय ।

9. तैत्तिरीयोपनिषद् की भृगुवल्ली के अनुसार प्राण एवं अन्न की महत्ता पर प्रकाश डालिए । (15)

Write the importance of Life (Prana) and food (anna) according to Bhrguvalli of Taittiriyanopanishad.